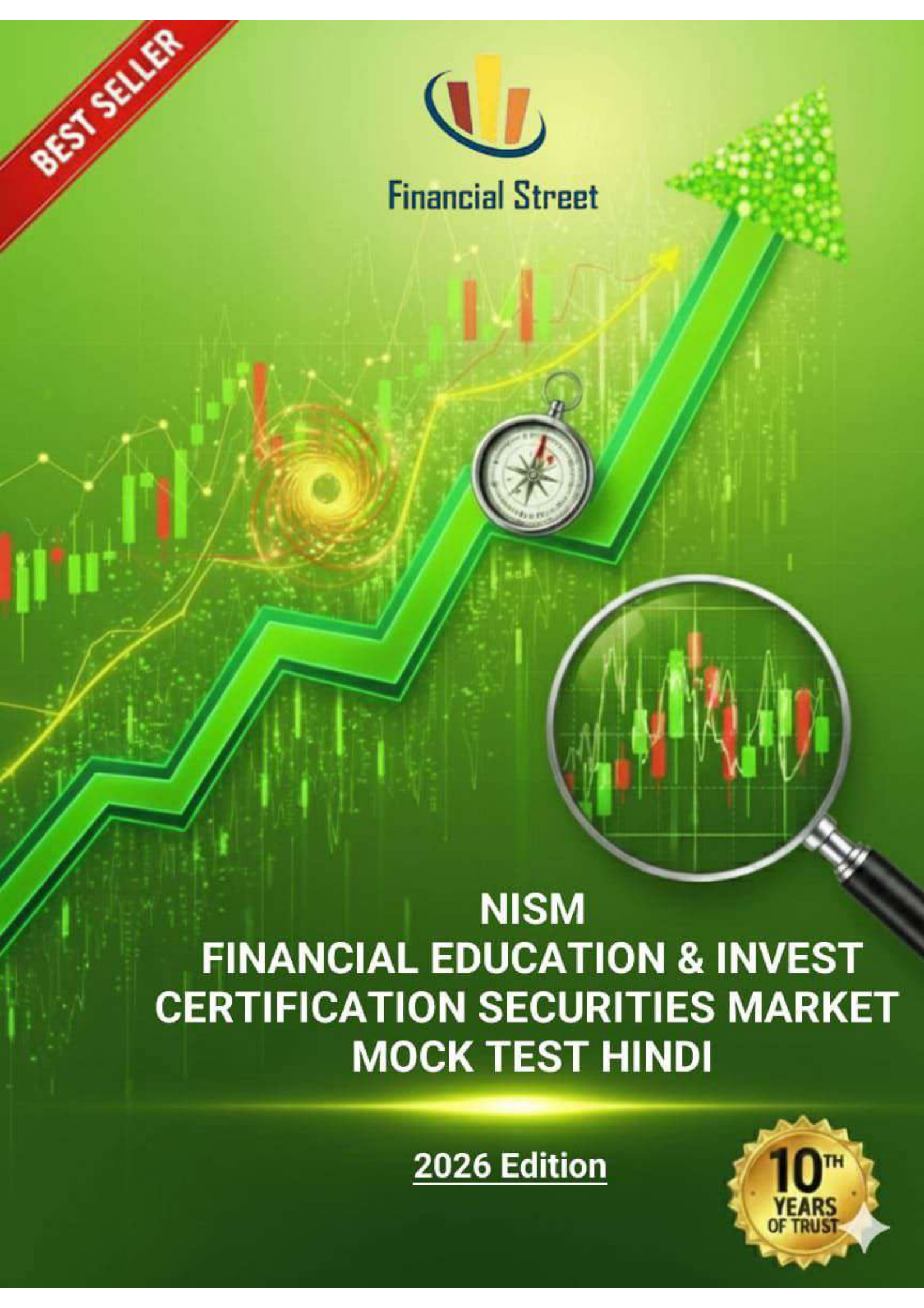


BEST SELLER



Financial Street



**NISM
FINANCIAL EDUCATION & INVEST
CERTIFICATION SECURITIES MARKET
MOCK TEST HINDI**

2026 Edition



Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

Testimonial

"The NISM-SEBI Investor Exam mock test is a great tool for anyone studying for the exam. It allowed me to test my knowledge and identify areas where I had to brush up. The explanations given after every answer were extremely detailed and made learning a cakewalk. I was adequately prepared for the actual exam and cleared it with ease."

*Ekta Jain (Gwalior)
House Wife*

Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy

Limited Time Offer



Buy SEBI Investor Awareness Mock Test Hindi



Get Free Stock Market Premium Course (Videos)

Save 12000/- Rs.

(No Hidden Fees)

OUR SUCCESS STORIES

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद



विकास शर्मा, सीईओ,
फाइनेंशियल स्ट्रीट

ग्यालियर. आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [REDACTED] में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [REDACTED] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें
निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडमेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवाइड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प



शे पर बाजार का फ्रेज लगाकर बंद रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के फिलॉसफ के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युवा से लेकर वरिष्ठ निवेशक तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं। मकसद ट्रेडर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल ट्रेडर की जरूरत नहीं होती, लेकिन फंडामेंटल स्ट्रेटजी, फंडामेंटल एनालिसिस और टेक्निकल एनालिसिस का बेसिक नॉलेज होना चाहिए। यदि आपके पास पैसा, फाइनेंस, अकाउंटिंग, एक्सेल्लेंस व इंडस्ट्री में रिकॉर्ड है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज कच्ची संख्या में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपने करियर संवार रहे हैं।

एक नजर में

- प्रोफेशनल ट्रेडर की पढ़ाई की शुरूआत बचपन से ही करना है। बोलचाल की हिंदी अजबान एक प्रोफेशनल है।
- पैरेंट्स का सपोर्टिव बर्ताव जरूरत है।
- बांध नपावलिष के नाम पर भी अकाउंट खोल जा सकता है।
- इन्वेस्टमेंट एडवाइजरों या किसी वरिष्ठ निवेशक के साथ में काम करने के लिए सर्टिफाइड होना चाहिए।

एनालिटिकल रिस्क और रिसर्च जरूरी

इस फील्ड में अच्छी एनालिटिकल रिस्क, रूटिंग माइंड और रिसर्च विकल्प जरूरी है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग प्रैक्टिस करनी और खेले की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में अने बाले नए प्रोडक्ट्स, उनके अंतर-व्यतिरिक्त से जुड़ी सेक्टर जानकारी आवश्यक है। प्रेयर होना करना चाहिए। इस फील्ड में एक्सपर्ट बनने के लिए अच्छी कम्यूनिटी रिस्क रिसेच एडवाइजर और फंडामेंटल इंडस्ट्री की जानकारी संचयन दिख सकती है।

यहां भी मौके

- स्टॉक मार्केट में आप कई फील्ड पर काम कर सकते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर, फाइनेंशियल एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, फंडामेंटल एनालिसिस मैनेजर, रिस्क, रिस्क एनालिसिस, ऑपरेशन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनेंशियल एनालिसिस, इक्विटी एनालिसिस, मार्केट रिसर्च, एक्सेल्लेंस, डिस्ट्रिब्यूटर, एडवाइजर, इंडस्ट्री सेक्टर डिस्ट्रिब्यूटर एडवाइजर।

निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप केयर बाजार में निवेश करते हैं तो यहां से अच्छा रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर आपका इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फसला जल्दबाजी में लिख जाते हैं तो कई बार अच्छे रजिस्टर्ड रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स इनका से बेहतर इन्वेस्टमेंट की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट के फंडाटर
रिसर्च पर फोकस करें

एकदम एकदम एनालिटिकल के साथ अच्छी एनालिटिकल रिस्क, रूटिंग माइंड और रिसर्च रिस्क रिसेच होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग बिल्कुल क्लर और प्रेयर की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतार-चढ़ाव और उससे होने वाले कार्यों के बारे में ज्ञान होना जरूरी है।

संजय खत्री, सीनियर वेंचर कैपिटलिस्ट मैनेजर

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

सम के साथ म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का सबसे एक्टिव क्षेत्र बन रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए बर्झन है। लोग अपने नो निवेश करने से डरते हैं। इसलिए उन्हें प्रोफेशनल एजेंटों की हिमायत चाहिए। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से फायदा बनने का अवसर बनता जा रहा है। कच्ची संख्या में लोग इन एजेंटों को हथकड़ी कर रहे हैं। यह हिंदी में अने बाले समय में और बढ़ेगा। यानी अने युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट की मांग रहेगी। युवा इनमें अपना करियर बन सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिसके पास डिपेंडेंसी और डेट सपोर्ट की अच्छी जानकारी है, उसकी मांग बहुत बढ़ती है। म्यूचुअल फंड एजेंट किसी भी युवाओं से अने बाले व्यक्ति के लिए करियर को सफलता की एक विप्लव और विविधता प्रदान करते हैं। इनमें से कुछ निवेश, बिजनेस, उपहार विकास, निवेश, मानव संसाधन, लॉजिस्टिक्स और प्रबंधन स्तरों के अनुसंधान हैं।



अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचें और उससे कमिशन कमाने का एक विकल्प शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन वेबसाइट व बर्झन बनकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं और पूरी समझ और मेहनत से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर साबित हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनएचएलए से सी-एफएफएलए एजेंट सर्टिफिकेट बनाना होगा।

विकास शर्मा, फंडाटर, फाइनेंशियल स्ट्रीट



एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाधा नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाधा नहीं है। यदि आप बस 10वीं तक की पढ़ाई है तो एनएचएलए के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आपको पास मुख्य डीप्लोमेट में पैर वर्क और आगरा काई होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

- निवेशकों को बाजार में उचित निवेश योजनाओं से अवगत कराना।
- अपने क्लाइंट्स उदाहरण के तौर पर म्यूचुअल फंड योजनाओं की जानकारी को स्पष्ट करना।
- निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रेशन से संबंधित लेखन करने में मदद करना।
- निवेश के प्रदर्शन पर अप्रत्यक्ष निवेशकों का मार्गदर्शन करना।

प्रश्न 1:- वित्तीय साक्षरता क्या है?

- A- आयकर की गणना करने का एक तरीका
- B- व्यक्तिगत वित्त को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने का कौशल
- C- पोंजी स्कीम को पहचानने का एक उपकरण
- D- बैंक जमा बढ़ाने की तकनीक

उत्तर- B

व्याख्या: वित्तीय साक्षरता एक जीवन कौशल है जो आय, व्यय और बचत के प्रभावी प्रबंधन में सहायता करती है।

प्रश्न 2:- वित्तीय योजना क्या है?

- A- जो विलासिता की ओर ले जाती है
- B- जो पैसे की बर्बादी को रोकती है
- C- जो वित्तीय स्वतंत्रता और भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है
- D- जो बैंक द्वारा लिए गए शुल्क को कम करती है

उत्तर- C

व्याख्या: वित्तीय योजना केवल बचत नहीं है; यह अनिश्चितताओं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है और लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करती है।

प्रश्न 3:- वित्तीय साक्षरता के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

- A- अधिक पैसा कमाना
- B- किसी भी तरह के वित्तीय जोखिम से बचना
- C- आय, व्यय, परिसंपत्तियों और देनदारियों का पर्याप्त प्रबंधन
- D- खरीदारी को अधिकतम करना

उत्तर- C

व्याख्या: वित्तीय साक्षरता व्यक्ति को वित्तीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन करने में सक्षम बनाती है।

प्रश्न 4:- परिवारों के लिए वित्तीय योजना क्यों आवश्यक है?

- A- रातों-रात अमीर बनने के लिए
- B- अप्रत्याशित आपात स्थितियों और दीर्घकालिक लक्ष्यों के प्रबंधन के लिए
- C- खर्चों को अधिकतम करने के लिए
- D- करों से बचने के लिए

उत्तर- B

व्याख्या: वित्तीय योजना परिवारों को आपात स्थितियों से निपटने और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है।

प्रश्न 5:- आय क्या है?

- A- आवश्यक वस्तुओं पर खर्च किया गया पैसा
- B- वेतन, मजदूरी आदि जैसे स्रोतों से कमाया गया पैसा
- C- बैंक खाते में जमा की गई बचत
- D- बैंक खाते से निकाला गया पैसा

उत्तर- B

व्याख्या: आय वह पैसा है जो कोई व्यक्ति कार्य या व्याज, किराया या लाभांश जैसे अन्य स्रोतों से अर्जित करता है।

प्रश्न 6:- निम्न में से कौन-सा खर्च का उदाहरण है?

- A- नौकरी से प्राप्त वेतन
- B- किराना सामान पर खर्च किया गया पैसा
- C- बचत से प्राप्त ब्याज
- D- बचत खाते में जमा किया गया पैसा

उत्तर- B

व्याख्या: खर्च वह पैसा होता है जो किसी वस्तु की खरीद पर किया जाता है, चाहे वह आवश्यक हो या गैर-आवश्यक।

प्रश्न 7:- अधिकांश लोगों के लिए बचत का प्राथमिक कारण क्या होता है?

- A- सेवानिवृत्ति के लिए संपत्ति जमा करना
- B- अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करना
- C- शेयर बाजार में निवेश करना
- D- करों से बचना

उत्तर- B

व्याख्या: लोग आमतौर पर अल्पकालिक लक्ष्यों जैसे गैजेट खरीदने या यात्रा के लिए बचत करते हैं।

प्रश्न 8:- निवेश का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- A- आवश्यक वस्तुओं पर पैसा खर्च करना
- B- लंबे समय में उच्च रिटर्न अर्जित करना
- C- पैसे को बचत खाते में रखना
- D- गैर-जरूरी वस्तुएँ खरीदना

उत्तर- B

व्याख्या: निवेश का अर्थ है भविष्य में अधिक लाभ की आशा में पैसा लगाना।

प्रश्न 9:- निम्न कथन को सत्य/असत्य बताइए:

कथन: निवेश पर रिटर्न समय के साथ हमेशा बढ़ता है।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर- B

व्याख्या: निवेश पर रिटर्न बाजार की स्थितियों और अन्य कारकों पर निर्भर करता है, इसलिए यह कथन असत्य है।

प्रश्न 10:- निम्न में से कौन-सा सबसे अधिक तरल (Liquid) है?

A- बैंक खाते में बचत

B- सावधि जमा में निवेश

C- म्यूचुअल फंड या इक्विटी में निवेश

D- उपरोक्त सभी

उत्तर- A

व्याख्या: बैंक खाते में बचत अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक तरल होती है।

प्रश्न 11:- निम्न में से कौन-सी देनदारी (Liability) है?

A- बैंक में सावधि जमा

B- सोना

C- बैंक से लिया गया ऋण

D- शेयर बाजार में शेयर

उत्तर- C

व्याख्या: देनदारी वह होती है जो किसी व्यक्ति को चुकानी होती है, जैसे ऋण। अन्य सभी संपत्ति मानी जाती हैं।

प्रश्न 12:- बचत और निवेश में मुख्य अंतर क्या है?

- A- बचत निवेश से अधिक जोखिमपूर्ण होती है
- B- निवेश की वृद्धि दर बचत से तेज होती है
- C- बचत तरलता के लिए, निवेश वृद्धि के लिए
- D- बचत के लिए डिमैट अकाउंट की ज़रूरत होती है

उत्तर- C

व्याख्या: बचत तात्कालिक ज़रूरतों के लिए तरलता बनाए रखने हेतु होती है जबकि निवेश भविष्य की वृद्धि के लिए किया जाता है।

प्रश्न 13:- "पैसे का समय मूल्य" (Time Value of Money) क्या दर्शाता है?

- A- मुद्रास्फीति के कारण समय के साथ पैसे का मूल्य घटता है
- B- पैसे का मूल्य समय के साथ समान रहता है
- C- ₹500 आज और पांच साल बाद समान मूल्य का होगा
- D- पैसा केवल बैंक में रखने से मूल्यवान बनता है

उत्तर- A

व्याख्या: मुद्रास्फीति के कारण समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं जिससे पैसे की क्रय शक्ति घट जाती है।

प्रश्न 14:- 72 का नियम क्या है?

- A- आयकर की गणना की विधि
- B- पैसे के दुगुना होने का समय अनुमानित करने का तरीका
- C- बचत को समान रूप से विभाजित करने की तकनीक
- D- मुद्रास्फीति के प्रभाव की गणना का सूत्र

उत्तर- B

व्याख्या: 72 को वार्षिक ब्याज दर से विभाजित करने पर पैसा कितने समय में दोगुना होगा, इसका पता चलता है।

प्रश्न 15:- मुद्रास्फीति का पैसे पर सबसे बड़ा प्रभाव क्या होता है?

- A- पैसे की क्रय शक्ति बढ़ाता है
- B- पैसे की क्रय शक्ति घटाता है
- C- निवेश के मूल्य को बढ़ाता है
- D- पैसे पर कोई प्रभाव नहीं डालता

उत्तर- B

व्याख्या: मुद्रास्फीति से वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं जिससे पैसे की क्रय शक्ति कम हो जाती है।

प्रश्न 16:- रुपए लागत औसत विधि (Rupee Cost Averaging) का मुख्य लाभ क्या है?

- A- बाजार का सही समय देखकर उच्चतम लाभ देना
- B- बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करना
- C- अधिक पैसा निवेश करने की अनुमति देना
- D- केवल बाजार के उच्च स्तर पर निवेश सुनिश्चित करना

उत्तर- B

व्याख्या: यह निवेश को नियमित अंतराल पर निश्चित राशि में करने की रणनीति है, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है।

प्रश्न 17:- वित्तीय योजना की दिशा में पहला कदम क्या होना चाहिए?

- A- म्यूचुअल फंड में निवेश
- B- अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति को जानना
- C- होम लोन के लिए आवेदन करना
- D- बीमा पॉलिसी खरीदना

उत्तर- B

व्याख्या: अपनी आय, व्यय, संपत्ति और देनदारियों को समझना वित्तीय योजना की नींव है।

प्रश्न 18:- निम्न में से कौन-सा एक SMART वित्तीय लक्ष्य है?

- A- 2 वर्षों में छुट्टी के लिए प्रति माह ₹5,000 की बचत करना
- B- आपातकालीन फंड के लिए कुछ भी बचाना
- C- मनोरंजन पर उचित खर्च करना
- D- जितनी जल्दी हो सके नई कार लेना

उत्तर- A

व्याख्या: SMART लक्ष्य वे होते हैं जो विशिष्ट (Specific), मापनीय (Measurable), प्राप्त करने योग्य (Achievable), यथार्थवादी (Realistic), और समयबद्ध (Time-bound) होते हैं। विकल्प A इन सभी मानदंडों को पूरा करता है।

प्रश्न 19:- वित्तीय लक्ष्यों में "SMART" का पूर्ण रूप क्या है?

- A- Specific, Measurable, Achievable, Realistic, Time-bound
- B- Simple, Motivated, Accurate, Reliable, Transparent
- C- Specific, Manageable, Aggressive, Realistic, Tested
- D- Systematic, Motivated, Accurate, Relevant, Time-bound

उत्तर- A

व्याख्या: SMART लक्ष्य वे होते हैं जो विशिष्ट, मापनीय, प्राप्त करने योग्य, यथार्थवादी और समयबद्ध होते हैं।

प्रश्न 20:- निवल संपत्ति (Net Worth) की गणना कैसे की जाती है?

- A- आय में से बचत घटाकर
- B- संपत्तियों में से देनदारियाँ घटाकर
- C- बचत × पैसे का समय मूल्य
- D- खर्च में से ऋण घटाकर

उत्तर- B

व्याख्या: निवल संपत्ति = कुल संपत्ति – कुल देनदारियाँ।

प्रश्न 21:- निम्न में से कौन-सा एक दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्य कहा जा सकता है?

- A- किराना सामान खरीदना
- B- बच्चे की शिक्षा के लिए बचत करना
- C- स्मार्टफोन खरीदना
- D- मासिक रूप से घर किराए पर लेना

उत्तर- B

व्याख्या: दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्य वे होते हैं जिनकी प्राप्ति में कई वर्ष लग सकते हैं, जैसे शिक्षा या सेवानिवृत्ति की योजना।

प्रश्न 22:- कथन का विश्लेषण करें:

कथन: वित्तीय योजना एक प्रक्रिया है जिसमें जीवन भर के लिए वित्तीय संसाधनों का अनुमान लगाया जाता है और निवेश के माध्यम से उन जरूरतों को पूरा करने की योजना बनाई जाती है।

- A- सत्य
- B- असत्य

उत्तर- A

व्याख्या: वित्तीय योजना जीवन की विभिन्न आवश्यकताओं जैसे शिक्षा, घर, आपातकाल आदि के लिए रणनीति तैयार करती है।

प्रश्न 23:- कथन का विश्लेषण करें:

कथन: एसेट एलोकेशन (Asset Allocation) एक रणनीति है जिसमें निवेशक की वित्तीय योजनाओं, जोखिम सहनशीलता और निवेश अवधि के अनुसार निवेश को इक्विटी और ऋण जैसे विभिन्न संपत्ति वर्गों में विभाजित किया जाता है।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर- A

व्याख्या: एसेट एलोकेशन निवेश को विविध संपत्तियों में इस प्रकार विभाजित करता है कि वह निवेशक के उद्देश्य और जोखिम प्रोफाइल के अनुकूल हो।

प्रश्न 24:- कथन का विश्लेषण करें:

कथन: विविधीकरण (Diversification) का प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न संपत्ति वर्गों में निवेश करके जोखिम को बढ़ाना है।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर- B

व्याख्या: विविधीकरण का उद्देश्य विभिन्न संपत्ति वर्गों में निवेश करके जोखिम को कम करना होता है, ताकि यदि एक वर्ग में हानि हो तो दूसरे में लाभ इसकी भरपाई कर सके।

प्रश्न 25:- निवेश में तरलता (Liquidity) का क्या अर्थ है?

- A- वह रिटर्न जो निवेश से प्राप्त होता है
- B- किसी निवेश को उचित मूल्य पर नकदी में बदलने में आसानी और गति
- C- निवेश में सम्मिलित जोखिम
- D- किसी निवेश के मूल्य को बढ़ने में लगने वाला समय

उत्तर- B

व्याख्या: तरलता से तात्पर्य यह है कि आप अपने निवेश को बिना कीमत घटाए कितनी जल्दी और आसानी से नकद में बदल सकते हैं।



Financial Street



TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street



Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

● **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

● **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

● **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.

तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेशियल स्ट्रीट

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

आपने राकेश झुनझुनवाला और वारन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।



शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

डॉ. विवेक
vivek@vivek.com

भोपाल, बॉम्बे के दौर में जहां रोजगार देने वाले बड़े सेक्टर को हलचल खागम चल रही है, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। इसे देखते हुए भविष्य में इस सेक्टर में रैफ़र होमार, मॉडर्न मार्केट एनलिसिस और कई जानकारी लेनी की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संघागण हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाव के प्रदर्शन के मद्देनजर कुछ अंश का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ऑप्शन का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, जहां कई निवेश कार्यक्रम और वित्तीय सलाहकार कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इनके माता बहो जय के बड़े शक्ति हैं। इस क्षेत्र में प्रोफ़ेशन को देखते हुए एक्सपर्ट, सीए, आईआईएमएल, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जर्नालिस्ट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, क्रेडिटल मार्केट एनलिसिस के रूप में कुछ जगह हैं।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए कल रहे विभिन्न पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए अर्चना की जा सकती है। कुछ संस्थानों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक उत्तीर्ण अर्चना के लिए एक या दो वर्षों डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



प्रमुख संस्थान

- मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इंस्टीट्यूट मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रेक्चरमेंट्स, दिल्ली
- इंडोब्रॉड इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडुवो इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- जेएचएलएलएल, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील्ड में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील्ड हैं। हर एक में वेस्टर्न कैरियर बनाना जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इसमें कई हिस्से हैं। बाजार प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी स्कोप है।

आश्विन मगर, गैर वॉल्यूट, एनएलई

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अनाउंसर, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, प्रमुख प्लान, सिस्टमैटिक एनालिस्ट, इमेपटी एनालिस्ट।



विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, वही परिणाम बताएंगे कि सही निवेश क्या है।



समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से पैसे का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है।



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

करियर कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल स्किल्स और सोलिंग स्किल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इन्सेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपको कम्प्यूटेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डबलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

मैं पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंतित करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी

हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series



Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Financial Analyst & Having more than 15 years' Experience in Financial Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

“THANK YOU”

